श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 192, पृष्ठ 4 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

संध्या कालीन नगर संस्करण प्रयागराज मंगलवार 06 जुलाई 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसांधन संस्थान की एक अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

कोविन ग्लोबल कॉन्क्लेव : पीएम मोदी बोले- कोरोना संक्रमण से उभरने के लिए वैक्सीनेशन एक उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कोविन ग्लोबल कॉन्क्लेव को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि कोविड के खिलाफ विजेता के तौर पर उभरने के लिए मानवता के पास टीकाकरण की सर्वश्रेष्ठ उम्मीद है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि महामारी की शुरुआत से ही भारत अपने अनुभव, विशेषज्ञता, संसाधनों को वैश्विक समुदाय के साथ साझा करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। अनुभव यह दिखाता है कि कोई राष्ट्र अलग-थलग रहकर कोविड की चुनौती का समाधान नहीं कर सकता, हमें मानवता के लिए साथ काम करना होगा। पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना संक्रमण से उभरने के लिए वैक्सीनेशन एक उम्मीद है। हमने शुरू से ही वैक्सीनेशन अभियान को डिजिटल माध्यम से जोड़ा है। हम सभी को एकसाथ मिलकर आगे बढ़ना होगा। कोरोना संक्रमण से जितने भी देशों में लोगों की मृत्यु हुई है, मैं उन सभी लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। कोई भी राष्ट्र कितना भी मजबूत क्यों ना हो लेकिन वह इस तरह की महामारी का सामना अकेले नहीं कर सकता है।

बता दें कि इस कोविन कॉन्क्लेव में कई देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले हेल्थ और तकनीकी से जुड़े एक्सपर्ट शामिल हुए। इसका मकसद कोविन प्लेटफॉर्म के जरिए कोरोना से लड़ने के लिए वैश्विक वैक्सीनेशन के संबंध में भारत के अनुभव को साझा करना है। हाल ही में कई देशों ने भारत के टीकाकरण अभियान में इस्तेमाल हो रही कोविन तकनीकी में अपनी रुचि दिखाई है। भारत में कोविन तकनीकी साझा करने के लिए तैयार है। वहीं, कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने कहा कि हम अपनी कोविन प्लेटफॉर्म तकनीक को पूरी दूनिया को देने के लिए उत्साहित हैं। मुझे उम्मीद है कि भारत के कोविन प्लेटफॉर्म से सभी देशों को फायदा होगा।

इसी सप्ताह हो सकता है मोदी कैबिनेट का विस्तार, सिंधिया-मोदी-सोनोवाल जैसे नामों की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी मंत्रिपरिषद का इस सप्ताह विस्तार कर सकते हैं। भाजपा के शीर्ष स्तर पर इसकी कवायद जारी है। विस्तार में लगभग डेढ़ दर्जन नए मंत्रियों को शामिल किए जाने की संभावना है। पहले से ही अतिरिक्त प्रभार और इससे ज्यादा मंत्रालय संभाल रहे कई मंत्रियों का बोझ भी कम किया जा सकता है। फेरबदल में आगामी विधानसभा चुनाव वाले राज्यों का विशेष ध्यान रखा जाएगा। सूत्रों के अनुसार सात जुलाई या उसके बाद के दो-तीन दिनों के भीतर कभी भी मंत्रिपरिषद विस्तार का फैसला लिया जा सकता है। विस्तार में सहयोगी दलों का शामिल कर राजग को मजबूत करने की कवायद की जाएगी। जदयू को भी इस बार केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। इसके अलावा अनन्द्रमुक, अपना दल को भी मौका मिल सकता है। क्षेत्रीय संतुलन को साधने के लिए दूरदराज के राज्य और केंद्र शासित राज्यों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किए जाने की संभावना है। गौरतलब है कि मोदी सरकार बनी थी तो कुल 57 मंत्री बनाए गए थे। इनमें 24 कैबिनेट, नौ स्वतंत्र प्रभार तथा 24 राज्यमंत्री शामिल थे। हालांकि इनमें से कई मंत्रियों के पास एक से अधिक मंत्रालय हैं। शिवसेना एवं अकाली दल के अलग होने और रामविलास पासवान के निधन के बाद कैबिनेट मंत्रियों की संख्या 21 रह गई। है। एक राज्यमंत्री का भी निधन हुआ। इस प्रकार अभी कुल 53 मंत्री ही हैं जबकि संविधान के अनुसार मंत्रियों की संख्या 79 तक हो सकती है। बीते एक साल से करोना के चलते मंत्रिमंडल विस्तार की स्थितियां नहीं बन पाई थी।

कोरोना, ब्लैक फंगस के बाद यह कैसी बीमारी जिसमें गल रही हैं हड्डियां, मुंबई में सामने आए 3 नए मरीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस के बीच तबाही मचाने आए ब्लैक फंगस के बाद अब एक और नया संकट पैदा हो गया है। म्यूकोरमाइकोसिस यानी ब्लैक फंगस के बाद अब कोरोना से ठीक हुए मरीजों में एवैस्कुलर नेक्रोसिस यानी बोन डेथ के नए मामले देखने को मिल रहे हैं। इस नई बीमारी में लोगों के शरीर की हड्डियां गलने लगती हैं।

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एवैस्कुलर नेक्रोसिस के तीन मामले सामने आए हैं। इस नई बीमारी ने डॉक्टरों की चिंता बढ़ा दी है। जबकि विशेषज्ञों ने कहा है कि आने वाले समय में इस घातक बीमारी के मामले बढ़ सकते हैं। मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में भर्ती तीनों मरीजों की उम्र 40 साल से कम है। कोरोना से ठीक होने के दो महीने बाद ही उनमें एवैस्कुलर नेक्रोसिस यानी बोन डेथ के लक्षण विकसित होने लगे। म्यूकोरमाइकोसिस और एवैस्कुलर नेक्रोसिस दोनों ही स्टेरॉयड के इस्तेमाल से जुड़ी हुई है। बता दें कि कोरोना के मरीजों के इलाज में स्टेरॉयड का इस्तेमाल किया जाता है।हिंदुजा अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. संजय अग्रवाल ने कहा, इन मरीजों को फीमर बोन यानी जांघ की हड्डी में दर्द महसूस हुआ। ये तीनी ही मरीज डॉक्टर थे जिसके कारण उन्हें लक्षण पहचानने में आसानी हुई और वे तुंरत इलाज के लिए अस्पताल पहुंच गए। डॉ संजय अग्रवाल न कहा कि 36 साल के एक मरीज में कोरोना से ठीक होने के 67 दिन बाद एवैस्कुलर नेक्रोसिस की शिकायत हुई जबकि दो अन्य मरीजों में 57 और 55 दिनों के बाद इसके लक्षण दिखें। उन्होंने बताया कि सभी मरीजों को कोरोना के इलाज के दौरान स्टेरॉयड दिए गए थे।एवैस्कुलर नेक्रोसिस पर डॉ.अग्रवाल का रिसर्च पेपर 'एवैस्कुलर नेक्रोसिस ए पार्ट ऑफ लॉन्ग कोविड-19' शनिवार को प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल 'बीएमजे केस स्टडीज' में प्रकाशित हुआ।

इसमें उन्होंने बताया कि कोविड -19 मामलों में 'जीवन रक्षक कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स का बड़े पैमाने पर उपयोग' के कारण एवीएन मामलों में बढ़ोत्तरी होगी। इस बीच, कोयंबटूर के सरकारी अस्पताल में म्यूकोर्मिकोसिस के 264 मरीजों में से 30 मरीजों की एक आंख की रोशनी चली गई। अस्पताल के एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

भारत में अगस्त में आएगी कोरोना की तीसरी लहर, सितंबर में पीक : एसबीआई की रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में अभी कोरोना की दूसरी लहर की रफ्तार धीमी ही पड़ी है कि तीसरी लहर को लेकर कयास लगने लगे हैं। इस बात की संभावना जताई जाने लगी है कि अगस्त तक इस महामारी की तीसरी लहर आ सकती है, जो कि सितंबर तक अपने चरम पर पहुंच जाएगी। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा तैयार एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। एसबीआई की ठकोविड -19ः रेस टू फिनिशिंग लाइनठ रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है, ठमौजूदा आंकड़ों के अनुसार, भारत में जुलाई के दूसरे सप्ताह के आसपास रोजाना लगभग 10,000 कोविड -19 मामले सामने आ सकते हैं। हालांकि, मामले अगस्त के दूसरे पखवाड़े तक बढ़ सकते हैं।ठ आपको बता दें

कि दूसरी लहर 7 मई को चरम पर थी, जब चार लाख से अधिक मामले सामने आए थे। रिसर्च में कहा गया है कि अनुमान रुझानों पर आधारित हैं। वैश्विक डेटा से पता चलता है कि औसतन, तीसरी लहर के दौरान पहुंचने वाले चरम मामले कोरोनो वायरस महामारी की दूसरी लहर से लगभग दो या 1.7 गुना अधिक हैं। अधिकांश विशेषज्ञ लगभग एकमत हैं कि देश में कोरोना की तीसरी लहर आएगी।

जून में प्रकाशित एसबीआई की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि संभावित तीसरी लहर दूसरी जितनी गंभीर हो सकती है। हालांकि यह भी कहा गया है कि संक्रमण की संख्या दूसरी लहर के कारण कम भी हो सकती है। भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर अप्रैल और मई में अपने चरम पर थी। देश ने इस अवधि के दौरान कई दिनों तक दैनिक संक्रमण और कोरोनो के कारण मौतों की रिकॉर्ड संख्या देखी। इस दौरान देश को ऑक्सीजन संकट से जूझना पड़ा। हालांकि, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण, दैनिक मामलों में कमी आई है। कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अब दैनिक मामलों में गिरावट के बीच अनलॉक करना शुरू कर दिया है।केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में, भारत में 39,796 नए मामले सामने आए।

प्रकाश हॉस्पिटल
स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 24 घंटे सेवा में तत्पर

निदेशक- डॉ. विजय बाबू यादव
(सदस्य जिला पंचायत)
Mob.: 8858487147
पता-भीरपुर करछना, प्रयागराज

Reg. No. U01403UP2021PTC147142 स्थापना वर्ष - 2021
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS

शेषदुर्गा हर्बल
प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड

प्रयागराज के किसानो से आग्रह है कि सुनहरे भविष्य के लिए औषधीय पौधों की खेती करके अपनी आय चार गुना ज्यादा बनाने के लिए कम्पनी की सदस्यता ग्रहण करें।
फाउण्डर आर. पी. पाण्डेय LL.B
ग्राम-कबरा, पोस्ट-डीह, तहसील-करछना, प्रयागराज
रजि. कार्यालय-868/5 कृष्णा नगर, अरैल, नैनी, प्रयागराज
Mob.: 9935613506

सूफी आशिक बाबा
सभी समस्याओं का निःशुल्क समाधान के लिए संपर्क करें।

नोट : खोए हुए व्यक्ति को हर हाल में मिलाना, ऊपरी बाधा से परेशान और उसका निःशुल्क समाधान कराना, वैवाहिक जीवन में समस्त कष्टों को दूर कराना, जिन पुरुष व युवती की शादी में किसी प्रकार का कोई रुकावट आ रहा है तो, उसका भी समाधान किया जाता है सभी समस्याओं का समाधान समय से कर दिया जाता है 30 वर्षो का अनुभव प्राप्त।
पता: एडीए कॉलोनी, पुलिस चौकी के पास, नैनी, प्रयागराज
मोबाइल नंबर: 9793403230, 9335128224

बंगाल में कांग्रेस को बड़ा झटका, पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत टीएमसी में हुए शामिल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। देश के पूर्व राष्ट्रपति और दिवंगत कांग्रेसी नेता प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत मुखर्जी ने सोमवार को सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस का दामान थाम लिया है। आपको बता दें कि अभिजीत अपने पिता की सीट जंगीपुर से ही दो बार लोकसभा सांसद रह चुके हैं। हालांकि, 2019 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। टीएमसी में शामिल होने के बाद पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत मुखर्जी ने कहा, "ममता बनर्जी ने जिस तरह बीजेपी की हालिया सांप्रदायिक लहर को रोका, मुझे विश्वास है कि भविष्य में वह दूसरों के समर्थन से पूरे देश में ऐसा ही कर पाएंगी।

पीएम मोदी के प्रस्तावित दौरे को फाइनल टच देने वाराणसी पहुंचे सीएम योगी

काशी को मिलने वाली है अरबों की सौगात

वाराणसी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों का जायजा लेने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार की शाम वाराणसी पहुंच गए। पीएम मोदी इसी महीने अपने संसदीय क्षेत्र को अरबों की परियोजनाओं की सौगात देने वाले हैं।

माना जा रहा है कि उन्हीं परियोजनाओं की समीक्षा करने और दौरे को फाइनल टच देने के लिए सीएम योगी काशी पहुंचे है। सीएम योगी का दो महीने से भी कम समय में वाराणसी का यह चौथा दौरा है। इससे पहले 9 और 24 मई के अलावा 18 जून को सीएम योगी वाराणसी आए थे। सीएम योगी करीब चार घंटे तक वाराणसी में रहेंगे। इस

दौरान सबसे पहले सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद पंडित दीनदयाल हास्पिटल पांडेयपुर में बने एमसीएच विंग्स का निरीक्षण करेंगे। यहां से वाराणसी-गाजीपुर रूट पर बने आशापुर रेलवे ओवरब्रिज का निरीक्षण करेंगे। वहां से काशी के हृदयस्थल गोदौलिया पर बने मल्टीलेवल पार्किंग का निरीक्षण करेंगे। लखनऊ जाने से पहले बाबा विश्वनाथ का दर्शन भी करने जाएंगे।

GSTIN : 09AAFTM3349D1ZK PAN-AAFTM3349D
Reg. No.: 1/2014

मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट
Misqeen Sewa Sansthan Trust
(इण्डियन ट्रस्ट एक्ट 1882 केअन्तर्गत पंजीकृत)
श्रमिको, मजलूमों, गरीबों अनाथो के सेवा में तत्पर
फाउण्डर प्रबन्धकः अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे पत्रकार/ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव, प्रयागराज
कार्यालय : माण्डा वाली रोड, कोरांव-प्रयागराज,
निवास ग्राम-अल्हवा, देवघाट, कोरांव-प्रयागराज 212306
Mob.: 9450613192
E-mail: miskeenss2014@gmail.com, sahjadekoraon@gmail.com

प्रो. शैलेन्द्र कुमार
चन्दा टीवीएस
नगद एवं फाइनेन्स की सुविधा उपलब्ध है।
जारी बाजार, प्रयागराज मो: 9721116002

अखिलेश यादव के ड्रीम प्रोजेक्ट गोमती रिवर फ्रंट की जांच हुई तेज, सीबीआई ने 43 जगहों पर मारा छापा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार में बने गोमती रिवर फ्रंट को लेकर सीबीआई की जांच जारी है और गोमती रिवर फ्रंट के निर्माण से जुड़े इंजीनियर्स पर कई गंभीर आरोप हैं। चीफ इंजीनियर रूप सिंह यादव को पहले ही जेल भेजा जा चुका है और उसके सहयोगी भी जेल की हवा खा रहे हैं। 27 मार्च 2017 की बात है सूबे की बागडोर संभालने के बाद दूसरे ही हफ्ते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ के गोमती रिवर फ्रंट का दौरा करने पहुंचे थे। जैसी ही वो यहां रिवर फ्रंट पर आकर खड़े हुए वहां चल रहे फव्वारे का पानी आकर उनके मुंह पर गिरा। और फिर योगी बोल पड़े- ठये गोमती का नहीं ये तो नाले का पानी हैठ। रिवर फ्रंट का हाल देख योगी बेहद नाराज हुए थे और अफसरों से पूरे काम का लेखा-जोखा मांगा था। अखिलेश यादव की सरकार के कार्यकाल में लखनऊ में गोमती नदी के तट पर बने रिवर फ्रंट को समाजवादी पार्टी का ड्रीम प्रोजेक्ट बताया गया था। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार में बने गोमती रिवर फ्रंट को लेकर सीबीआई की जांच जारी है और गोमती रिवर फ्रंट के निर्माण से जुड़े इंजीनियर्स पर कई गंभीर आरोप हैं।

साईं कृपा मेंस पार्लर
न्यू हेअर कट, हेअर स्ट्रेटिंग, हेअर पॅच/ विक, स्किन ट्रीटमेंट, हेअर स्पा, फायर कट
मॉडेल मेकअप, नवरदेव मेकअपउ (पॅकेज)
पार्लर में काम करने के लिए अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है।
प्रो0 उमेश शर्मा
Mob.: 7860823593
पता त्रिवेणीपुरम नियर पानी की टंकी झूसी प्रयागराज

एतिहासिक शीतला माता धाम के मेले में उमड़ी श्रद्धालुओ की भीड़

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। आषाढ़ मास के तीसरे सोमवार को सारीपुर गांव में लगने वाले ऐतिहासिक शीतला माता धाम के मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने शीतला माता का पूजा अर्चना कर दर्शन कर मनन्ते मांगी। और मेले में घरेलू सामग्रियों की जमकर खरीददारी किया।

घूरपुर बाजार से तीन किलोमीटर पश्चिम यमुना किनारे स्थित सारीपुर गांव में सिद्ध पीठ शीतला माता का मंदिर है। जहां पर सनातन काल से आषाढ़ मास भर प्रति सोमवार और शुक्रवार के दिन भव्य मेला लगता है। क्षेत्रीय सहित दूर दराज के श्रद्धालु माता जी का दर्शन और पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं। यमुना जी का जल मां को विशेष रूप से चढ़ाया जाता है। नव दंपति भी मां के दर्शन के लिए आ मंदिर का परिक्रमा कर सुखी जीवन का मनोकामना करते हैं। बताता जाता है कि शीतला माता अपने भक्तो को निराश नहीं करती है। सभी की मनोकामना पूर्ण करती है। मेले में विभिनन्-स्वादिष्ट व्यंजनो सहित घरेलू सामान और बच्चों के खिलौने सौंदर्य प्रसाधन की दुकानें सजी रहती हैं। जहां पर जमकर श्रद्धालु आवश्यक सामग्रियों की खरीददारी करते हैं।

मन्नते पूरी होने पर चढ़ाते हैं सरसो के तेल का हलुआ पूड़ी

शीतला माता धाम में सैकड़ो महिला श्रद्धालुओ को अस्थाई चूल्हों पर लकड़ी के आग द्वारा सरसो के तेल का हलुआ पूड़ी बनाते देखा जाता है। श्रद्धालुओ के मनन्ते पूरी होने पर श्रद्धालु हलुआ पूड़ी शीतला माता को अर्पण करते हैं। शीतला माता के इस धाम की खासियत ये भी है कि थोड़ी से ही सरसो के तेल में मनचाही पूड़िया बना ली जाती है जबकि उतनी ही पूड़ी यदि घर पर बनानी हो तो तेल कम पड़ जाती है। भक्त इसे माता रानी की महिमा और कृपा बताती है।

जल कुंड के जल लगाने से चर्म रोग हो जाते हैं ठीक

अधिकतर श्रद्धालु आषाढ़ मास में पांच बार जल चढ़ाने आते हैं। मान्यता है कि चेचक समेत विभिनन् प्रकार के चर्म रोग माता रानी के जल कुंड के जल लगाने मात्र से ही चर्म रोग ठीक हो जाते हैं। भक्त जल कुंड को पात्र में भरकर घर भी ले जाते हैं।

मंदिर के पुजारी होते हैं आदिवासी और उनके नही होते हैं पुत्र

शीतला माता के इस मंदिर के पुजारी आदिवासी होते हैं। और जो इस मंदिर के पुजारी बनते हैं उनको बेटियां तो होगी लेकिन बेटे नही होंगे। चौथी पीढ़ी के आदिवासी मंदिर के पूजारी नंद लाल बताते हैं कि मेरे नाना स्व प्रभु नाथ थे। बेटियों के बेटे ही पूजारी होते रहें है। जो इस मंदिर का पूजारी बनता है उसे पुत्र की प्राप्ति नहीं होती।

देश के किसानों की कल्याण हेतु शुआट्स वैज्ञानिकों ने विकसित की गेहूँ की नई प्रजाति

अखंड भारत संदेश

नैनी/प्रयागराज। 110 वर्ष पुराने सैम हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार देशहित में किसानों के कल्याण हेतु नई-नई प्रजातियाँ विकसित की जा रही है। इस क्रम में शुआट्स कुलपति मोस्ट रेव्ह प्रो0 राजेन्द्र बी. लाल के निर्देशन में वैज्ञानिक डा. महाबल राम व उनके सहयोगियों ने गेहूँ की नई प्रजाति शुआट्स डब्लूयू-14 (जीआईएम-20-9) विकसित की है जिसका अनुमोदन अपर मुख्य सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ0प्र0 डा. देवेश चतुर्वेदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में किया गया।

बता दें कि उक्त बैठक में शुआट्स के निर्देश शोध डा. शैलेष मारकर ने गेहूँ की नई किस्म शुआट्स डब्लूयू-14 का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। डा. मारकर ने बताया कि गेहूँ की नई किस्म 110-115 दिनों में पककर तैयार हो जाती है, जिसके पौधों की ऊँचाई 95-100 सेमी एवं औसत उपज 49-50 कु0 प्रति हेक्टेयर है तथा यह किस्म समय से बुवाई एवं सिंचित अवस्था के लिये उपयुक्त है क्योंकि यह ब्राऊन रस्ट, लीफ ब्लाइट, लूज स्मट एवं करनल बंट के लिये अवरोधी है तथा इसका दाना मुलायम एवं इसकी रोटी खाने में बहुत अच्छी है।

उल्लेखनीय है कि शुआट्स द्वारा विकसित गेहूँ की विभिनन् प्रजातियाँ क्रमशः एएआईडब्लूयू-6, शियाट्स डब्लूयू-9, शियाट्स डब्लूयू-10 एवं शियाट्स डब्लूयू-13 को भारत सरकार द्वारा गजट नोटिफिकेशन के माध्यम से अधिसूचित किया जा चुका है। उपरोक्त सभी प्रजातियों का बीज उत्पादन कर कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश के माध्यम से किसानों तक पहुंचाया जा रहा है। शुआट्स में विकसित गेहूँ की नई किस्मों को किसानों द्वारा अत्यधिक पसन्द किया जा रहा है क्योंकि यह किस्में उच्च तापमान रोधी होने के साथ-साथ कम खाद, पानी में अधिक उपज देती हैं।

वैज्ञानिक डा. महाबल राम ने अपनी इस सफलता का श्रेय परमपिता परमेश्वर एवं शुआट्स कुलपति प्रो. राजेन्द्र बी. लाल को दिया। उन्होंने बताया कि निकट भविष्य में भी शुआट्स द्वारा किसानों के लिये गेहूँ की विभिनन्-अवस्थाओं में उगाई जा सकने वाली किस्मों का बीज भी शीघ्र उपलब्ध होगा। डा. महाबल राम ने कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश के सहयोग की भी सराहना की।

पौधे लगाना किसी यज्ञ से कम नहीःमनीष

अखंड भारत संदेश

करछना। पौध लगाना किसी यज्ञ से कम पुनीत कार्य नही है।किन्तु इन्हे पुत्रवत पालने और सेवा करके वृक्ष का रूप देने के बाद ही पौधरोपण का संकल्प सिद्ध होता है।सभी को चाहिए कि इस अभियान में अपनी भागीदारी निभाते हुए दूसरे को भी पौधे लगाने के लिए प्रेरित करें।यह बातें बृज मंगल सिंह इंटर कालेज में छायादार पौधों का रोपण करते हुए प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने कही।उन्होने बताया कि आज सोमवार को विद्यालय के शिक्षक और कर्मचारियों का मौजूदगी में वृहद पौधरोपण किया जाएगा।साथ ही आन लाइन पठन-पाठन से जुड़े छात्रों को भी पौधरोपण का महत्व समझाते हुए अपने-अपने घर और पास पड़ोस के लोगों को पौधे लगाने के लिए प्रेरित भी किया जाएगा।

एसएससी करछना मे 58 की जांच,190 को लगाई गई वैक्सीन

अखंड भारत संदेश

करछना। सोमवार को सीएचसी करछना मे 58 की कोरोना जांच हुई जिसमे कोई भी व्यक्ति पाजटिव नही मिला और 190 को कोरोना वैक्सीन की डोज दी गई।डाक्टरो का कहना है कि लोग अधिक से अधिक वैक्सीन लगवाये जिससे नये वैरियंट के खतरे को देखते हुए लोग मास्क का प्रयोग जरूर करे और जाच भी कराये।

इक्कीस सौ पौध रोपण कर लिया जीवन बचाने का संकल्प

अखंड भारत संदेश

लालापुर। क्षेत्र के प्रतापपुर गांव में रविवार को पौधरोपण का कार्यक्रम किया गया।प्रतापपुर एग्रोफार्म के निदेशक हमज़ा अवसाफ एंव शंकरगढ़ के पूर्व चेयर मैन सैयद अवसाफ के संयुक्त तत्वाधान में क्वालिटी स्टोनवर्क के प्रांगण में मुख्य अतिथि थानाध्यक्ष लालापुर वृंदावन राय एवं विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता गोपाल दास गुप्ता व उपस्थित गणमान्य लोगों द्वारा एक साथ इक्कीस सौ पौधों का रोपण कर वृक्षारोपण उत्सव का रूप दिया गया।कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य रूप से फेटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक यासीर अवसाफ ने कहा की कोरोना काल में हमने आक्सीजन के लिये अपनो को परेशान होते हुए देखा है।उन्होंने कार्यक्रम में आये हुए गणमान्य लोगों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आवाहन किया कि कार्यक्रम में आये हुए सभी लोग अपने अपने घरों व गांव में जुलाई, अगस्त और सितम्बर में हर सप्ताह के अंत में वृक्षारोपण उत्सव के रूप में मनायें। इस मौके पर सैयद अवसाफ अली, अरविंद कुमार मिश्र उर्फ गुड्डा, संजीव कुमार मिश्र, राजू सिंह, रोहित केसरवानी, मधुकर सोलंकी, रवी अरोरा, रंगीले महराज, पीसी पांडेय,निखिल केसरवानी, अमर सिंह, प्रधान प्रतापपुर राम करन निषाद, राम गणेश, राघवेंद्र शुक्ल, हाफिज मोहीब उल्ला, मुक्ती सलीमउर रहमान, सलीम,नियाज़ आशीष मिश्रा, अमर सिंह, अजय सिंह सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

वृक्ष हमारे जीवन के सच्चे मित्र-उपजिलाधिकारी बारा

अखंड भारत संदेश

नारीबारी। विकासखंड शंकरगढ़ के प्राथमिक विद्यालय गनेन्में वृक्षारोपण किया गया जहां इस वृक्षारोपण कार्यक्रम का नेतृत्व उपजिलाधिकारी बारा सुभाष चन्द्र यादव ने किया तथा अध्यक्षता नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान बैजनाथ (बब्लू) ने किया जिसमें भाजपा कार्यकर्ताओं व क्षेत्रीय लोगों के साथ विद्यालय परिवार द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया जिसमें आंवला, नींबू, आम, नीम तथा इमारतीं लकड़ी आदि के वृक्ष लगाए गए इसकी सुरक्षा के निमित्त भी तार का बाड़ लगाना, इधर-उधर कांटेदार वृक्ष लगाना आदि बिंदुओं पर विचार किया गया वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संजीव पाण्डेय, मण्डल अध्यक्ष अंजनी लाल, अनिल चतुर्वेदी, अनिल कुमार, अर्जुन गुप्ता, विजय शंकर शुक्ल जिला महामंत्री, रमेश मिश्र पूर्व मंडल अध्यक्ष, नितिन मिश्र, बृजेश सिंह, अक्षय विश्वकर्मा मंडल कोषाध्यक्ष, राजेश केशरवानी मंडल उपाध्यक्ष आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहें।

डेराबारी गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में हुआ कृष्ण-सुदामा की लीला का मंचन

अखंड भारत संदेश

लालापुर। क्षेत्र के डेराबारी गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में आठवे दिन रविवार को कृष्ण-सुदामा की लीला की कथा व रुक्मणि के विवाह का मंचन किया गया। जिसे सुन वहां पर मौजूद भक्तों ने जयकारे लगाए। गांव के हुई कथा से वहां का माहौल भक्तिमय हो गया है।

श्रीमद्भागवत कथा में कथा वाचक कृष्णानन्द महाराज ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण व सुदामा अच्छे मित्र थे।गोकुल में वह एक साथ खेल-खेलकर बड़े हुए। बाद में पाप का अंत करने के लिए भगवान मथुरा आ गए। वहां पर उन्होंने कंस का संहार किया। कृष्ण के मथुरा जाने के बाद सुदामा के घर काफी गरीबी आ गई। स्थित यह हो गई कि उनके घर दो जून के रोटी के लाले पड़ गए।गरीबी से तंग सुदामा की पतनै सुशीला ने सुदामा से कहा कि तुम अपने बचपन के मित्र श्रीकृष्ण से मिलो, वह मदद कर सकते है।पतनै के कहने पर सुदामा बचपन के मित्र से मिलने के लिए तैयार हुए।जाते समय सुशीला ने सुदामा को चावल दिया और कहा कि इसे भेंट में श्रीकृष्ण को देना। जब सुदामा मथुरा पहुंच कर द्वार पाल के माध्यम से सूचना दिया तो भगवान दौड़कर सखा सुदामा से गले मिले।वहां पर उपस्थित लोग आश्चर्य चकित हो गए।

सुदामा का भगवान श्रीकृष्ण से स्वागत सत्कार किया। बाद में पूछा की भाभी ने हमारे लिए कुछ भेजा है।तब सुदामा ने चावल दे दिए।भगवान ने उस चावल में से दो मुट्ठी चावल खाया तो सुदामा दो लोक के मालिक हो गए।जब उन्होंने तीसरी मुट्ठी में चावल लिया तो रुक्मणि ने रोक दिया। प्रभु यदि आपने यह चावल खाया तो एक लोक जो बचा हुआ है, उसके मालिक भी सुदामा हो जाएंगे और देवता कहां जाएंगे। कहा कि लोगों को भगवान श्रीकृष्ण व सुदामा की मित्रता से सीख लेनी चाहिए। इससे पूर्व भगवान श्रीकृष्ण व रुक्मणि के विवाह की लीला का मंचन किया है।भागवत कथा सुनकर ग्रामीण भाव विभोर हो गये।इस मौके पर मुख्य यजमान पूर्व प्रधान सुरेंद्र नाथ द्विवेदी व कलावती,अनिल,सुनील द्विवेदी,सुशील,राज किशोर,अंकित शुक्ल,विनोद त्रिपाठी,बड़का शुक्ल,अमर सिंह,नंदलाल पाल,रामकुमार पाल,पंकज शुक्ल,बालक चंद्र पांडेय,सुरेश चंद्र,रमेश पांडेय,

कांग्रेसियों ने बैठक कर बेरोजगारी और महंगाई पर व्यक्त किए रोष

सहसों। कांग्रेस पार्टी की एक बैठक सोमवार को भोपतपुर बाईपास पर कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अशफाक अहमद की अध्यक्षता में संपनन्हुई। बैठक में अशफाक अहमद ने देश में बढ़ती हुई महंगाई और बेरोजगारी पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि यही स्थिति देश की रही तो देश जल्दी ही विनाश के गर्त में चला जाएगा। आज देश का नौजवान, किसान, छात्र भुखमरी की स्थिति में आ चुका है। महंगाई से जनता त्रस्त है महंगाई की मार से जनता नहीं उबर पा रही है। बैठक को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एडवोकेट देवराज उपाध्याय ने कहा कि पेट्रोल डीजल की कीमत सौ रुपया तक पहुंच गई है। दो माह के भीतर 36 बार पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाया जाना देश के लिए चिंता जनक तो है ही और शर्मनाक भी। कुकिंग गैस की कीमत वैसे ही आसमान पर थी और फिर से 25 रपया बढ़ा दिया गया। गरीब अब इस महंगाई को झेलने में असमर्थ है।

करछना प्रधान संघ की अध्यक्ष बनीं, आकृति सिंह

धीतेश तिवारी महा मंत्री, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नागेन्द्र पाण्डेय बनाए गए

अखंड भारत संदेश

करछना। विकास खण्ड करछना परिसर मे प्रधान संघ करछना का चुनाव सपनन् हुआ जिसमे आकृति सिह पतनै अवतार दादू सिह को अध्यक्ष वरिष्ठ उपाध्यक्ष नागेन्द्र पाडेय,महामंत्री धीतेश तिवारी और वरिष्ठ महामंत्री सूर्यप्रकाश को सर्व सम्मति से चुना गया।

ब्लाक सभागार मे मौजूद अखिल भारतीय प्रधान संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि संगठन मजबूत करने के लिए सभी प्रधानो को पूरी एकजुटता के साथ काम करना होगा जिससे किसी भी प्रधान को कोई समस्या होने पर उनका समाधान किया जा सके और ग्राम प्रधान पंचायती राज के अधिकार व उनके कर्तव्यो का सही ढग से निर्वहन हो सके।इस दौरान प्रधानो ने संगठन को लेकर अपने अपने विचारो को रखते हुए संगठन के मजबूती के लिए सुझाव भी दिए जिसे संगठन के लोगो मे सुना और कहा कि संगठन की हर माह एक बैठक ब्लाक मे होगी जिसके बाद समस्याओ को सुलझाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा जिससे ग्राम प्रधानो का मान सम्मान सुरक्षित रहे और वे अपने गांव का विकास बगैर किसी दबाव के कर सके।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधान संघ के अध्यक्ष रमेश मिश्र कल्लू और अनिल शुक्ला ने किया।इस मौके पर विजय शंकर तिवारी, सुरेश तिवारी,शैलेन्द्र शर्मा,जितेन्द्र दुबे,हसराज पटेल,शिवगणेश रवि पटेल,मिथिलेश पटेल,विजय शुक्ला,पवन निषाद आदि प्रधानगण मौजूद रहे।

बालिका के मौत के बाद घर वालो ने मिलकर अस्पताल में जमकर किया हगांमा

अखंड भारत संदेश

बहरिया। बहरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक निजी अस्पताल में मरीज की हालत गंभीर होने से डॉक्टरों के रेफर के बाद रास्ते में मरीज की मौत के बाद परिजनों नें वापस लौट कर अस्पताल में खूब उत्पात मचाया।ग्राम देवरा उर्फ तिलकाताली निवासी अशोक कुमार अपनी नातिन पारुल को सोमवार सुबह करीब 7:00 बजे सीने में दर्द की शिकायत के बाद दोनइ्या स्थित रॉबिल चैरिटेबल मेमोरियल हॉस्पिटल में ले गये।पहुंचते ही डाक्टरों ने पारुल को चेक किया तो उसकी स्थिति बहुत ही गंभीर दिखाई पड़ी जांच के उपरांत डॉक्टरों ने तुरंत ही मरीज पारुल को प्रयागराज रेफर कर दिया प्रयागराज जाते समय रास्ते में ही पारुल की मौत हो गई।

जिससे आवेश में आकर परिजन पारुल के शव को दोनइ्या अस्पताल में लेकर आए और खूब उत्पात मचाया डॉक्टर के केबिन में घुसकर कर डॉक्टरों से मारपीट करनें लगे व काउंटर पर लगाए गए शीशे को तोड़ दिया।इसी बीच किसी ने इसकी सूचना बहरिया पुलिस को दे दी।मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को शान्त कराया और पारुल के शव को उनके परिजनों को घर ले जाकर अन्तिमसंसकार करनें को कहा।

वृहद वृक्षारोपण अभियान पर क्षेत्रीय विधायक ने किये वृक्ष रोपित

सहसों। विकासखंड सहसों के ग्राम सभा पाली में सोमवार को वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि विधायक फूलपुर प्रवीण पटेल ने वृक्षारोपण करते हुए कहा कि वृक्ष आज मनुष्य स्वास्थ्य के लिए विशेष महत्व है जिससे मनुष्यों के साथ-साथ अन्य जीव प्राणियों के लिए भी ऑक्सीजन देते है। उन्होंने कहा आज हर एक एक मनुष्य को चाहिए किसी भी प्रकार का एक एक पौधा जरूर रोपित करें। साथ-साथ उसको संरक्षित करने में मददगार भी रहें। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि शिव नारायण सिंह गप्पू वरिष्ठ समाजसेवी ने कहा आज हमारे इस पृथ्वी पर ऑक्सीजन की बेहद जरूरत है ।

इफको कोरडेट ने स्थानीय किसानों से खरीदी नीम कौड़ी

बदायूं जनपद के कृषकों को कोरडेट ने दिया आनलाइन प्रशिक्षण

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। इफको द्वारा कृषि जगत में इफको नैनो यूरिया एक अहम अविष्कार है। कृषक इफको नैनो यूरिया का प्रयोग अपने खेतों में करें।

क्योंकि कृषि लागत कम करने में इसका महत्वपूर्ण योगदान होने वाला है। उक्त बातें सोमवार को इफको कोरडेट में बदायूं जनपद के कृषकों को आनलाइन प्रशिक्षित करने के बाद आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कोरडेट प्रबंध समिति के अध्यक्ष चौधरी शीशपाल सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि कही। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कृषकों से अपनी मिट्टी को बचाने की अपील की और बताया कि नैनों यूरिया की एक छोटी बोतल एक बोरी यूरिया के बराबर काम करेगी। कोरडेट में विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित पीसीएफ गाजीपुर के अध्यक्ष व सदस्य इफको आम सभा विजय शंकर राय ने इफको द्वारा कृषकों के हित में संचालित कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। कोरडेट के प्रधानाचार्य डीपीएस तोमर ने कृषकों के क्रियाकलाप से सभी को अवगत कराते हुए कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ कमलाकांत कल्याणकारी, आशीष सेमवाल,डॉक्टर एच0 एम0 शुक्ला एवं डॉ हरीश चंद्र ने भाग लिया। इस दौरान मुख्य अतिथि द्वारा कोरडेट नीम तेल संयंत्र पर दो दर्जन स्थानीय कृषकों से बीस कुंतल सूखी नीमकौडी भी ख़रीदी गई। नीम कोड़ी का मूल्य पाकर किसानों के चेहरे खिले रहे।

ई रिक्शा चालक की हत्या कर हत्यारे फरार

हत्यारों ने शरीर पर डाला ज्वलनशील पदार्थ, सिर पर जख्म के निशान, पुलिस जांच पड़ताल में जुटी

अखंड भारत संदेश

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के मवैया रोड के समीप निर्माणाधीन सरस्वती हाईटेक सिटी के निकट सोमवार को दिनदहाड़े एक ई रिक्शा चालक की हत्या कर हत्यारे फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। जानकारी के मुताबिक नैनी कोतवाली क्षेत्र के चक लाल मोहम्मद निवासी सिपाही लाल (70) पुत्र स्वर्गीय कलऊ पांच भाइयों है सबसे बड़े थे।

उसकी पत्नी ननकई देवी बीमारी से ग्रस्त है और उसके कोई भी संतान नहीं है। ई रिक्शा चलाकर अपने परिजनों का भरण पोषण करने में जुटा हुआ था। बताया जाता है कि कल दोपहर लगभग 2:00 बजे वह दो महिलाओं को बैठाकर एग्रीकल्चर की ओर गया हुआ था। जब वह है देर शाम तक अपने घर पर वापस लौट कर नहीं पहुंचा तो परिजनों को चिंता सताने लगी और उसकी हर उस स्थान पर खोजबीन की जहां पर उसके मिलने की उम्मीद थी, लेकिन उसका कोई भी सुराग नहीं मिला। परिजन नैनी कोतवाली पुलिस से मिलकर आपबीती बताई। इसी बीच परिजनों ने किसी के माध्यम से ई रिक्शा चालक के मोबाइल के लोकेशन की जानकारी प्राप्त की तो लास्ट लोकेशन रविवार शाम को नैनी कोतवाली क्षेत्र के कर्बला में मिला। उसके बाद उसका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। परिजन उसकी खोजबीन में जुटे हुए हुए थे।

वह सोमवार दोपहर बाद औद्योगिक क्षेत्र के मवैया रोड होते हुए निर्माणाधीन सरस्वती हाईटेक सिटी की तरफ से गुजर रहे थे तो मवैया रोड के उसका ई रिक्शा दिखाई पड़ा। जब परिजन वहां पर पहुंचे तो ई रिक्शा से बैटरी गायब थी। लगभग तीन सौ मीटर से अधिक आगे आने पर सड़क के किनारे एक व्यक्ति को जमीन पर पड़ा हुआ देखे तो उसके पास पहुंचे तो वह मृत था। उसकी पहचान परिजनों ने सिपाही लाल के रूप में करते हुए मामले की सूचना पुलिस को दी।

अपनों पर भी शक!

नैनी। मृतक सिपाही लाल के कोई भी संतान नहीं है। जबकि उसकी पत्नी गंभीर बीमारी से ग्रसित है और वह चलने फिरने में भी असमर्थ हैं। सूत्रों पर यदि यकीन करें तो मृतक सिपाही लाल के पास उसके हिस्से की जमीन पर किसी की नजर तो नहीं रही, जो वारदात को एक षड्यंत्र रचते हुए घटित कर दिया हो हालांकि पुलिस प्रत्येक पहलुओं पर जांच पड़ताल करने में जुटी हुई है।

सूचना मिलते ही औद्योगिक क्षेत्र इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार सिंह, सडवा पुलिस चौकी प्रभारी नवीन कुमार सिंह व नैनी कोतवाली से संबंधित एसएसआई सचिंद्र यादव दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल करते हुए पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। मृतक के शरीर पर ज्वलनशील पदार्थ डाला गया था और उसके सिर के पिछले हिस्से पर जख्म के निशान थे।

साथियो के संग टोंस नदी नहाने गया बालक डूबा

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा क्षेत्र के इसौटा गांव का बालक घर से साथियों के साथ टोंस नदी में सनन करने गया बच्चा डूब गया। साथी को नदी में डूबता देख साथ गए तीन बच्चे चीख पुकार करते घर पहुंच गए। जानकारी पाकर नदी में डूबे बच्चे के परिवारजन रोते बिलखते घटना स्थल पर पहुंचे इस दौरान लोगों का मजमा लग गया। इसौटा गांव निवासी विक्रम निषाद मछली मारकर आजीविका चलाता है।

विक्रम के तीन बेटे व तीन बेटियों में सबसे बड़ा मोहित निषाद (12) सुबह दस बजे के लगभग अपने चार साथियों के साथ आधे किलोमीटर दूर टोंस नदी में सनन करने गया था। सनन करते समय मोहित का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में समा गया। सूचना पर कोतवाल मेजा अरुण कुमार चतुर्वेदी घटना स्थल पर पहुंचकर स्थानीय गोताखोरों को नदी में उतारा। घंटेभर तलाश करने के बाद गोताखोर पानी से बाहर निकल गए। कोतवाल ने उच्चाधिकारियों को मामले की जानकारी देते हुए जिले के गोताखोरों को बुला रखा है। फिलहाल थोड़ी ही देर बाद

गोताखोरों के द्वारा गंगा नदी से उसका शव बाहर निकाला गया।इस घटना से लोगो में दहसद बना है।

डा. श्याम प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर किया गया वृक्षारोपण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस 23 जून से उनके जन्मदिन 6 जुलाई तक पर्यावरण संरक्षण के लिए पूरे प्रदेश में 'वृक्षारोपण जन आन्दोलन' के तहत प्रदेश में 25 करोड़ वृक्षारोपण का लक्ष्य मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ की सरकार द्वारा तय किया गया ह। इसी कड़ी में प्रयागराज महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ वेणी माधव मंडल के तत्वधान में वृक्षारोपण किया व उपस्थित लोगों से अपील कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का दायित्व है । पौधे को अपने पुत्र की देखभाल करे । इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष भरत निषाद जी, नामित पार्षद राजेश कुमार निषाद जी, पार्षद सुनीता श्रीवास्तव जी, मंडल महामंत्री आशुतोष पालीवाल जी, महानगर सह-कोषाध्यक्ष सुभाष वैश्य जी, मण्डल उपाध्यक्ष अतुल जैन जी, राजेश पाठक जी, अरुण श्रीवास्तव जी, विकास केसरवानी जी, अशोक कनौजिया जी सेक्टर संयोजक, दिलीप निषाद जी, महेंद्र चौधरी जी, रवि गुप्ता जी, रवि केसरवानी जी, विक्रम निषाद जी, के के पाठक जी, राजू श्रीवास्तव जी आदि लोग उपस्थित रहे ।

प्रमाण पत्र मामले को लेकर महापौर को दिया ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी से महाराजन बुआ सेवा समिति के महामंत्री जगदीश त्रिपाठी बाबा जी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल मिला और अवगत कराया रसूला घाट घाट पर दाह संस्कार की किसी भी प्रकार की सुविधा शुल्क व मृत्यु प्रमाण पत्र ?200 लेकर नहीं जारी किया जाता है और मृत्यु प्रमाण पत्र मेरे द्वारा या मेरी समिति के द्वारा कोई भी जारी नहीं किया जाएगा ।जिसमें मुख्य रूप से उपाध्यक्ष नगर निगम अखिलेश सिंह जी, पार्षद कमलेश तिवारी जी, रंजन प्रजापति जी, कमलेश सिंह जी, आकाश सोनकर जी , नन्दलाल जी, नामित पार्षद राजेश कुमार निषाद जी, विजय मल्होत्रा जी, अनूप मिश्रा जी आदि सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे ।

श्री देवराहा बाबा की पुण्यतिथि अखण्ड हरि कीर्तन , सृंगार एवम भंडारा के साथ सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। श्री गंगा के मध्य स्थित श्री देवराहा बाबा मंच , 60 फिट ऊँचाई पर स्थित अखण्ड गंगा ज्योति , श्री राज राजेश्वर महादेव के पावन सानिध्य में बाबा की 31 वी पुण्य तिथि 2 दिवसीय कार्यक्रम के साथ धूमधाम से आयोजित की गई।

कार्यक्रम के संयोजक एवम ट्रस्ट के अध्यक्ष स्वामी राम दास ने बताया कि दिनाँक 4 जुलाई को 24 घण्टे के लिये अखण्ड संकीर्तन आयोजित हुआ जिसका समापन दिनाँक 5 जुलाई को सुबह हुआ , ततपश्चात योगिराज देवराहा बाबा का भव्य सृंगार , पूजन एवम महा आरती की गई। स्वामी जी ने बताया कि माघ

मेले के बाद गंगा में स्थित मचान पर कार्यक्रम भक्तों के लिये विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम में पधारे सभी सन्तो तथा भक्तों का फलाहारी भंडारा भी सम्पनन हुआ। समस्त कार्यक्रमों में स्वामी सन्दीप दास नागा बाबा राजस्थान , स्वामी सुदामा दास जी बद्रिकाश्रम , स्वामी सन्त दास जी काशी , फूल चन्द्र दुबे , अध्यक्ष भारतीय सांस्कृतिक परिषद , विनय अग्रवाल ए जी एम रेलवे , डॉ बी के सिंह , राजेन्द्र तिवारी दुकानजी , राम लखन यादव पूर्व अध्यक्ष टाउन एरिया झूंसी , मुकेश पहलवान प्रदेश केशरी , उमेश निषाद पूर्व सदस्य बी डी सी आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष पहुंचे लखनऊ शिष्टाचार भेंट कर श्रेष्ठ जनों से प्राप्त किया आशीर्वाद

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जनपद के नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वीके सिंह अपनी ऐतिहासिक जीत के कर्णधार क्रमशः पूर्व विधायक दीपक पटेल पूर्व विधायक गुरु प्रसाद मौर्य विधायक विक्रमाजीत मौर्य क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमरनाथ यादव भाजपा नेता अरुण अग्रवाल अमरनाथ तिवारी कन्हैया लाल पांडे एवं अपने अनुज डॉ राहुल सिंह के साथ आज लखनऊ पहुंचकर संगठन शिल्पी प्रदेश संगठन मंत्री सुनील बंसल प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह एवं प्रयागराज ही नहीं प्रदेश के सबसे लोकप्रिय नेता हिंदू हृदय सम्राट और जीत के मार्गदर्शक उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से मिलकर आशीर्वाद प्राप्त किया। जिला पंचायत अध्यक्ष मीडिया प्रभारी पार्षद पवन श्रीवास्तव ने बताया कि डॉ वीके सिंह को भाजपा नेताओं ने बधाई देते हुए प्रयागराज जिले में विकास की गंगा को और गति से बहाने को भागीरथ की संज्ञा से नवाजते हुए पुष्पित पल्लवित होने का आशीर्वाद भी दिया।

डॉ वीके सिंह ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास पर पहुंचकर शिष्टाचार भेंट की और पुष्पगुच्छ दिया उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उन्हें जीत की बधाई देते हुए गले लगाया और हिंदुत्व की पहचान भगवा फटका पहनाकर उनका स्वागत अभिनंदन किया।

भाजपा ने लोकतंत्र की मर्यादा को तहस नहस कर बलतंत्र और सत्ता की हनक दिखा कर पंचायत अध्यक्षी के चुनाव मे जीत हासिल की : इफ्तेखार हुसैन

पुलिस लाठी चार्ज मे घायल सपा कार्यकर्ताओं से मिले वरिष्ठ नेताओं ने ज़िला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव मे हुए पुलिसया तांडव की निन्दा की

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। ज़िला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव मे सपा की हार को समाजवादी पार्टी महानगर अध्यक्ष ने भाजपा द्वारा लोकतंत्र की हत्या कर बलतंत्र और सत्ता की हनक दिखा कर तथा प्रलोभन से जीत हासिल करना बताया।श्री इफ्तेखार ने पुलिस और सादी वर्दी मे छिपे भाजपाई गुण्डों द्वारा बर्बरता पूर्ण लाठी चार्ज करने वाले लोगों को चिन्हित कर उन पर सपा कार्यकर्ताओं पर हत्या की शाज़िश के तहत सुनयोजित तरीके बेरहमी से मारने पीटने की धाराओं मे मुक़दमा क़ायम करने की मांग की।कहा हमारे पास पछर्ण बहुमत मे पंचायत सदस्यों की संख्या थी और हम जीत रहे थे।लेकिन शासन और प्रशासन ने भाजपा के उच्च नेताओं के इशारे पर धांधली की आशंका व्यक्त करने पर हमारे कार्यकर्ताओं पर लाठी चार्ज कर माहौल को तनावपूर्ण बना कर मनमानी तरीके से भाजपा के पक्ष मे फैसला सुना दिया।

महानगर महासचिव अधिवक्ता रवींद्र यादव रवि ने कहा भाजपा ने लोकतंत्र की मर्यादा का तिरस्कार कर लोकतंत्र का गला घोटने का कार्य किया।

हमारे नेताओं,युवा कार्यकर्ताओं व महिलाओं पर जिस प्रकार बर्बरता पूर्ण लाठीयाँ बरसाईं वह जनरल डायर से भी ज्यादा विभत्सता का नमूना था।वरिष्ठ सपा नेता नरेन्द्र सिंह ने कहा लाठी खाने वालों, हाँथ पैर तोड़वाने वालों पर प्रशासन की तरफ से मुक़दमा कायम करना और लाठी मारने वालों पर कोई कानूनी धारा मे मुक़दमा न करना यह प्रशासन का एकतरफा फैसला है।समाजवादी पार्टी इस प्रकार की एकतरफा कार्यवाही की निन्दा करते हुए घोर विरोध करती है।महानगर मीडिया प्रभारी सै0मो0अस्करी ने विभिनन चैनलों की फूटेज के अनुसार सादी वर्दी मे लाठी चार्ज करने वाले भाजपाई चेहरे को उजागर कर उन पर हत्या की साज़िश के तहत बर्बर लाठी चार्ज करने वालों पर मुक़दमा कायम करने की मांग की।सपा नेताओं ने घायल सपा नेताओं का हाल चाल लेने के उपरान्त हाईकोर्ट कैम्प कार्यालय पर बैठक कर ज़िला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव मे भाजपा द्वारा छल कपट और लोकतंत्र को बलतंत्र और प्रशासन के सहयोग से जीत हासिल करने वाले कदम को बुलबुला बताया कहा 2022 मे भाजपा का पतन होते ही यह बुलबुला फुस हो जायगा।बैठक में सै0इफ्तेखार हुसैन,रवींद्र यादव रवि,नरेन्द्र सिंह,तारिक सईद अज्जू,विजय वैश्य,महेन्द्र निषाद,इसरार अन्जुम,मोईन हबीबी,सै 0मो0 अस्करी, मंजू यादव,सबीहा मोहानी,इन्दू यादव,रीता मौर्या,प्रतिमा रावत,आशीष पाल,मो0जैद,औन ज़ैदी,अब्दुल समद, मो0 अजहर,शाहिद प्रधान,अभिमन्यु पटेल,ओ पी यादव, मो0 गौस, रमाकान्त पटेल,विक्रम पटेल,आकिब जावेद,सैफ फरीदी, रोहित यादव,अशवनी मिश्रा,सदानन्द कुशवाहा, सै0 मो0 हामिद,जय भारत यादव,भोला पाल,मो0 हसीब,सुनील कुशवाहा, महेष निषाद समेत अन्य सपा नेताओं ने पुलिस लाठी चार्ज की निन्दा की और संदिग्ध सादी वर्दीधारीयों पर मुक़दमा कायम करने की मांग की।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

कांग्रेस मानवाधिकार में प्रदेश उपाध्यक्ष बने तस्लीम, हसीन को नगर की कमान

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अखिल भारतीय कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य तस्लीम उद्दीन को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मानवाधिकार विभाग में प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं शहर कांग्रेस के सचिव मो0हसीन को नगर चेयरमैन बनाया गया।

इनकी नियुक्ति कांग्रेस मानवाधिकार के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र नाथ त्रिपाठी द्वारा की गई। सोमवार को पुराने शहर के रोशनबाग स्थित कांग्रेस के जोन कार्यालय में नवनियुक्त पदाधिकारियों का प्रदेश सचिव राघवेंद्र सिंह और शहर अध्यक्ष

नफीस अनवर ने स्वागत कर नियुक्ति पत्र सौंपा। पार्टी दफ्तर में मौजूद लोगों को सम्बोधित करते हुए तस्लीम उद्दीन ने शीर्ष नेत्तृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम जिस दौर से गुजर रहे हैं वह बेहद ही संकट भरा है। सरकार लोगों से झूठ बोल रही है। अधिकारी व कर्मचारी किसी की सुन नहीं रहे। युवक बेरोजगार हैं। घर से बाहर निकलें तो कोरोना है और घर में ही रहें तो भुखमरी परेशान करेगी। कहा कि इस समय लोगो की मदद करना ही पहली प्राथमिकता है।

इस दौरान सभा की अध्यक्षता नफीस अनवर और संचालन प्रवक्ता हसीब अहमद ने किया। इस मौके परः विनय दूबे, अनिल कुशवाहा, प्रदीप नारायण, राजकुमार शुक्ल, संजय सिंह, जावेद उर्फी, इशरत अली, सिब्बतैन बब्लू, शकील अहमद, इरफानउल हक, कामेश्वर सोनकर, विशाल सोनकर, तुफैल अहमद, दरख्शा कुरैशी, मोहित कुमार, नफीस कुरैशी समेत आदि लोग शामिल हुए

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 10 जुलाई को

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार दिनांक 10-07- 2021 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक वादों के निस्तारण हेतु निशा झा नोडल अधिकारी लोक अदालत/एडीजे की अध्यक्षता में व प्रज्ञा सिंह द्वितीय सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इलाहाबाद के निर्देशन में जनपद इलाहाबाद के समस्त तहसीलदारों की बैठक सभागार जनपद न्यायालय इलाहाबाद में आयोजित की गई।

इस बैठक में राजस्व से संबंधित वादों के निस्तारण हेतु तहसीलदारों से विचार-विमर्श किया गया और समझौते के आधार पर निस्तारित होने वाले वादों के अधिकाधिक निस्तारण हेतु कोविड-19 के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए कराने का निर्देश सब को प्रदान किया गया यह जानकारी प्रज्ञा तक विधि सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इलाहाबाद द्वारा प्रदान की गई।

आवश्यकता

महावीर कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन

डी0एल0एड0(बी0टी0सी0)

बी0एड0 संकाय

smctalld@gmail.com

सम्पादकीय

कोरोनाः खतरा बरकरार है

कोरोना वायरस का यह नया वैरिएंट ज्यादा संक्रामक और ज्यादा खतरनाक होने की वजह से दुनिया भर में चिंता का कारण माना जा रहा है। साउथ दिल्ली के एक अस्पताल की केस स्टडी तो खास तौर पर चौंकाने वाली है। अस्पताल के 1800 में से 1600 स्टाफ अप्रैल अंत तक वैक्सीन ले चुके थे। कोरोना की दूसरी लहर के उतार के बीच जहां देश के कुछ हिस्से लॉकडाउन में ढील दिए जाने से राहत की सांस ले रहे हैं, वहीं कुछ अन्य हिस्सों में नए वैरिएंट्स लगातार चिंता का सबब बने हुए हैं। राजधानी दिल्ली में आज सोमवार से लॉकडाउन के नियमों में थोड़ी और छूट मिल गई है। अब जिम और योग केंद्रों को भी 50 फीसदी उपस्थिति की शर्त के साथ खोल दिया गया है। लोगों की तरफ से इसकी मांग काफी पहले से हो रही थी, लेकिन स्वाभाविक ही सरकार किसी तरह का रिस्क लेने के मूड में नहीं थी। संक्रमण के मोर्चे पर निरंतर सुधार को देखते हुए यह फैसला किया गया। शनिवार को दिल्ली में नए केसों की संख्या 85 रही, जो इस साल का सबसे निचला स्तर है। पॉजिटिविटी रेट भी गिरकर 0.12 फीसदी तक पहुंच गई है। बावजूद इसके, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चेताया है कि तीसरी लहर के खतरे को कम करके न आंका जाए। सरकारें इससे निपटने के लिए अपने स्तर पर तैयारियों में जुटी हुई हैं। इन्हीं खतरों के मद्देनजर देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में लॉकडाउन के प्रावधानों में कोई नई छूट नहीं दी गई है।

महाराष्ट्र सरकार ने पूरे राज्य को पांच अलग-अलग लेवल में बांट कर यह तय किया था कि कहां कितनी सख्त पाबंदियां रहेंगी। ऑक्सिजन बेड वाले मरीजों की संख्या, पॉजिटिविटी रेट आदि के आधार पर किसी शहर का लेवल निर्धारित होता था। इन मापदंडों के हिसाब से मुंबई लेवल वन में आने की पात्रता हासिल कर चुकी है। लेकिन डेल्टा प्लस वैरिएंट के नए खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने फैसला किया है कि लेवल 3 की पाबंदियां पूरे राज्य में लागू रहेंगी। डेल्टा प्लस वैरिएंट के केस महाराष्ट्र सहित 11 राज्यों में पाए गए हैं। कोरोना वायरस का यह नया वैरिएंट ज्यादा संक्रामक और ज्यादा खतरनाक होने की वजह से दुनिया भर में चिंता का कारण माना जा रहा है। साउथ दिल्ली के एक अस्पताल की केस स्टडी तो खास तौर पर चौंकाने वाली है। अस्पताल के 1800 में से 1600 स्टाफ अप्रैल अंत तक वैक्सीन ले चुके थे। इसके बावजूद 10 फीसदी अस्पताल कर्मी संक्रमित पाए गए और उनमें से 70 फीसदी में डेल्टा प्लस वैरिएंट पाया गया। इससे स्वाभाविक रूप से यह सवाल भी उठता है कि क्या डेल्टा प्लस वैरिएंट टीके के सुरक्षा चक्र को आसानी से भेद देता है हालांकि इन सवालों के संतोषजनक जवाब पाने के लिए अभी और अध्ययन की जरूरत है। इस बीच, टीका जितनी जल्द संभव हो, सबको दिलाया जाए, उसके साथ-साथ अधिकतम संभव सावधानी भी लगातार बनाए रखनी होगी। अनलॉक को आजादी का पर्याय मानने से हर हाल में बचना होगा।

जब ड्रोन युद्ध लड़ने आएंगे, तब क्या होगा

डॉ. रंजन कुमार

27 जून की सुबह पाकिस्तान की ओर से जम्मू में बेहद सुरक्षित माने जाने वाले भारतीय वायुसेना के स्टेशन पर ड्रोन से हमला किया गया। खबर तो यह भी आई कि दो और ड्रोन आए थे, जिन्हें खदेड़ दिया गया। शायद वे एयरपोर्ट की ओर जा रहे थे। पाकिस्तानी सीमा के साथ लगे इलाकों में ड्रोन का दिखना नई बात नहीं। खालिस्तानी चरमपंथियों ने 2019 से पंजाब और जम्मू-कश्मीर में विस्फोटक, हथियार और ड्रग्स गिराने के लिए कई तरह से इनका इस्तेमाल किया है। ज्यादातर ऐसे ड्रोन सीमा के पास से उड़ाए गए और फिर लौट गए। इनमें से कुछ किसी गड़बड़ी के कारण खुद-ब-खुद भारतीय सीमा में गिर गए या इन्हें मार गिराया गया। 21 मई को ही बीएसएफ ने जम्मू के सांबा इलाके में सीमा के पास भारतीय क्षेत्र में आधा किलोमीटर अंदर एक एके-47, एक पिस्टल और कुछ गोला-बारूद बरामद किया था। इसके बाद जून में कठुआ के पास एक ड्रोन को मार गिराया गया। यह भी हथियार गिराने आया था। इसके मलबे से जीपीएस और कुछ दूसरे उपकरण मिले, जिनसे संकेत मिला कि इसने पाकिस्तान से उड़ान भरी थी। पिछले कुछ साल में ड्रोन का दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे संघर्षों में भी इस्तेमाल बढ़ा है। पिछले साल 3 जनवरी को एक अमेरिकी ड्रोन ने ईरान के जनरल कासेम सुलेमानी के दस्ते पर 6,200 मील की दूरी से तीन मिसाइलें दागीं। अमेरिका के जिस ड्रोन से यह हमला किया गया, उसे रीपर कहते हैं। इसका इस्तेमाल दुश्मन की टोह लेने के साथ उस पर हमला करने के लिए भी होता है। जनरल सुलेमानी पर इस हमले को तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रियल टाइम में देखा था। यानी जब हमला हो रहा था तो कदम-ब-कदम उसकी तस्वीरें वह वाइट हाउस में लाइव देख रहे थे। इस हमले की वहां मौजूद सैनिक कुछ इस अंदाज में कमेंट्री कर रहा था, 'अब उनकी जिंदगी सिर्फ एक मिनट की बची है सरष्ठअब 30 सेकंडष्ठअब 8 सेकंडष्ठअब वे खत्म हो चुके हैं सर।'

तय है कि भविष्य के युद्ध एक शक्ल अख्तियार कर रहे हैं, जो अभी पूरी तरह से सामने नहीं आया है। सेथ जे फ्रैंजमैन ने अपनी नई किताब 'ड्रोन वार्सः पायनियर्स, किलिंग मशीन्स, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) एंड द बैटल फॉर द फ्यूचर' में यह दावा किया है। सेथ लिखते हैं कि इस बदलाव की शुरुआत 70 के दशक के मध्य से हुई और इस्राइल ने यह काम शुरू किया। इस्राइली ड्रोन अटैक के शुरुआती अभियान से जुड़े याएर डुबेस्टर कहते हैं, 'डल, डेंजरस और डर्टी' मिशन यानी नीरस, खतरनाक और अवैध अभियानों के लिए ड्रोन अच्छे रहते हैं। इस किताब

में आधुनिक तकनीक को लेकर अमेरिकी सेना के उत्साह का भी जिक्र है, जो कभी उफान पर होता है तो कभी रुक जाता है। अफगानिस्तान और इराक में आतंकवाद के खिलाफ अमेरिकी युद्ध में ड्रोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया। खासतौर पर बराक ओबामा सरकार के कार्यकाल के दौरान। इसके बावजूद अमेरिका दुनिया की अकेली ड्रोन पावर नहीं है। यह सच है कि उसे इस तकनीक में दूसरों से बेहतर होने का अहंकार रहा है। उसने इसे दूसरे देशों को देने में बहुत दिलचस्पी भी नहीं दिखाई है। ऐसे में कई देशों ने खुद पहल करके यह तकनीक विकसित की है। आज करीब 100 देशों के पास ड्रोन हैं। ड्रोन तकनीक की ताकत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कई बार इसी वजह से ताकतवर देशों को झुकना पड़ा है। इनमें अमेरिका से लेकर रूस और सऊदी अरब तक शामिल हैं। ईरान ने 2011 में एक अमेरिकी ड्रोन को मार गिराया था। सितंबर 2019 में एक ड्रोन ने सऊदी अरब के हवाई रक्षा घेरे को भेदते हुए उसके तेल कुओं पर हमला किया। इस हमले की जिम्मेदारी यमन के हूथी विद्रोहियों ने ली, जिन्हें ईरान से मदद मिल रही है। सीरिया में गृहयुद्ध के दौरान भी ड्रोन का दोनों ओर से इस्तेमाल हुआ, जहां असद सरकार की ओर से रूसी और विद्रोहियों की ओर से तुर्की के ड्रोन मैदान में उतरे। विद्रोहियों, उग्रवादियों और आतंकवादियों को लगता है कि ड्रोन की मदद से उनका पलड़ा भारी हो सकता है। आइसिस, हिजबुल्ला और बोको हराम, इन सभी आतंकवादी संगठनों के पास ड्रोन हैं। यूक्रेन और फिलीपींस के विद्रोहियों के पास भी। अब सवाल उठता है कि जम्मू में एयर फोर्स स्टेशन पर ड्रोन के जरिये जो हमला किया गया, उसे कैसे रोका जा सकता है जीपीएस सिगन्ल को ब्लॉक करके यह काम किया जा सकता है। हालांकि, अगर वे आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से लैस हैं या उनका अपना ऑप्टिकल सिस्टम है तो उन्हें लेजर या मिसाइल या बंदूक से मार गिराना होगा। इस्राइल के पास ड्रोन आधारित बचाव तंत्र भी है, जिसे ड्रोन डोम कहते हैं। इस मामले में वह दुनिया के दूसरों मुल्कों से आगे है।

इसमें कोई शक नहीं कि दुनिया में भविष्य में जो संघर्ष होंगे, उनमें ड्रोन की भी भूमिका होगी। 2018 में चीन ने इस तकनीक में अपनी महारत को एक लाइट शो के दौरान दिखाया था। तब चाइनीज ड्रोन आकाश में एक खास आकार में उड़े थे। चीन करीब 20 देशों को ड्रोन का निर्यात कर रहा है। सेथ यह भी कहते हैं कि अभी ड्रोन को यहां-वहां बिना किसी योजना के तैनात किया जा रहा है। उनका कहना है कि जो देश अपने सारे ऑपरेशंस को ड्रोन तकनीक के साथ जोड़ पाएगा, वह सैन्य अभियानों के लिहाज से फायदे में रहेगा। लेकिन इससे मानव समाज किस तरह के भविष्य की ओर बढ़ेगा, उसका अंदाजा तकनीक और विज्ञान की दुनिया के ईलॉन मस्क और स्टीफेन हॉकिंग जैसे लोगों के बयान से लगता है। इन लोगों ने एआई आधारित हथियारों को नियंत्रित करने की अपील की है। सेथ आने वाले समय में एआई आधारित हथियारों की होड़ की ओर इशारा करते हैं, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया है कि इसके कितने भयंकर दुष्परिणाम हो सकते हैं।

जिला पंचायत चुनाव, ये तो होना ही था

अशोक मधुप

उत्तर प्रदेश में आज बहु प्रतिक्षित जिला पंचायत का चुनाव संपनन हो गया। हर बार की तरह इस चुनाव में सत्ता बल और धनबल विजयी रहा।सिद्धांत और विचार धारा कूड़े में पड़ी नजर आई। विचारधारा गौण हो गई। प्रदेश की 75 जिला पंचायत सीट में से 67 पर भाजपा विजयी रही। दो सीट पर उसके समर्थक दल का कब्जा रहा। सपा को सिर्फ पांच सीट मिली।एक सीट रालोद को गई। पश्चिम में सपा- रालोद और भाकियू का गठबंधन कोई भी करिश्मा नहीं कर सका।अपने गढ़ मुजफ्फर नगर में भारतीय किसान यूनियन का प्रत्याशी मात्र चार वोट पाकर ही घर बैठ गया।रालोद -भाकियू के गढ़ पश्चिम उत्तर प्रदेश की 14 सीट में से 13 पर भाजपा ने विजय पताका फहराई।चुनाव शुरू होने से ही कुछ लोग इसे राजनैतिक रंग देने में लगे थे। वे इसे अगले साल होने वाले विधान सभा चुनाव का सेमीफाइनल बता रहे थे। भाकियू के दिल्ली बार्डर पर चल रहे आंदोलन के मद्देनजर कुछ विशेषकों का कहना था कि इस चुनाव में भाजपा को भाकियू की नाराजगी का सामना करना पड़ेगा। वह ये भूल गए कि ये चुनाव सत्ता का चुनाव है। सत्ता में जो दल होता है, इसके ही प्रत्याशी प्रायः विजयी होतें हैं। 2016 में समाजवादी पार्टी की सरकार में सपा के 26 जिला पंचायत अध्यक्ष निर्विरोध चुन गए थे।जबकि इस बार भाजपा के 21 जिला पंचायत अध्यक्ष निर्विरोध बने। एक सपा का भी जिला पंचायत अध्यक्ष निर्विरोध चुना गया। सपा सरकार में 2016 के चुनाव में सपा के 63 जिला पंचायत अध्यक्ष चुने गए थे।इस बार भाजपा और उसके समर्थक दल के दो अध्यक्ष मिला कर कुल 69 चुने गए है।

बसपा ने तो पहले ही चुनाव लड़ने से मना कर दिया था। सपा-रालोद मिलकर चुनाव लड़ रहे थे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारतीय किसान यूनियन भी इनके साथ थी। इसके बावजूद यह शुरूआत से ही बैकफुट पर रहे। इस चुनाव में आम वोटर मतदान नहीं करता। जनता से चुने सदस्य मतदान करते हैं। इसलिए इनकी खुलकर बोली लगती है। निर्धारित राशि तै हो जाने पर सदस्य प्रत्याशी के साथ चले जातें हैं। इस बार सदस्य का रेट 15 से 20 लाख के आसपास रहा।एक अनुमान के अनुसार विजेता को पांच- छह करोड़ के आसपास रूपया व्यय करना पड़ा। चुनाव की विशेष बात यह रही कि इसमें जमकर क्रास वोटिंग हुई। बिजनौर जनपद में भाजपा के आठ सदस्य विजयी हुए थे। अन्य दल के इस प्रकार थे।सपा 20, रालोद चार भाकियू दो,असपा आठ , बसपा पांच अन्य छह।सपा,रालोद और भाकियू के दो सदस्य मिलाकर 26 सदस्य हो रह थे।लग रहा था कि सपा प्रत्याशी विजयी होगा। किंतु 26 की जगह सपा को 25 ही वोट मिले।भाजपा के साकेंद्र चौधरी 30 मत पाकर विजयी रहे।मुजफ्फरनगर में अकेले भाकियू ने अपना प्रत्याशी लड़ाया। यह भाकियू का गढ़ है।भाकियू को अपने गढ़ में ही बुरी तरह पराजय हाथ लगी। उसके प्रत्याशी सत्येंद्र बालियान को कुल चार मत मिले। ,। भाजपा प्रत्याशी 26 मत से विजयी रहा।आठ में से पांच मुस्लिम सदस्यों ने भी भाजपा प्रत्याशी को वोट किया। नौ मतदाताओं ने मतदान नही किया। रालोद -भाकियू के गढ़ पश्चिम उत्तर प्रदेश की 14 सीट में से 13 पर भाजपा ने विजय पताका फहराई। अकेले बागपत में ही रालोद का प्रत्याशी विजयी रहा। चुनाव संपनन हो गया । अगर इसे विधान सभा चुनाव का सेमीफाइनल माने तो भाजपा पूर्ण बहुमत से भी आगे निकल गई। वैसे इस चुनाव को विधान सभा चुनाव का सेमी फाइनल कहना गलत है। इतना जरुर है कि ये भाजपा के 67 और दो गठबंधन के कुल 69 जिला पंचायत अध्यक्ष विधान सभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों को विजय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आगामी चुनाव में प्रत्याशी के पक्ष में मजबूती के साथ खड़े होंगे।

कृषि को पूर्ण लाभ का धन्धा बनाने की प्रतिबद्धता में जुटी मोदी सरकार

विनोद के. शाह

किसान आन्दोलन एंव विपक्ष के झूठे प्रचार को नकारते हुये केन्द्र की मोदी सरकार ने किसानो को फसलो के लाभकारी मूल्य दिलाने एंव फसलो के उचित चयन में किसान जागरुकता के लिये खरीफ फसल की बुबाई से पूर्व आगामी खरीफ फसल के समर्थन मूल्य (एमएसपी) में अभूतपूर्व वृद्धि की है। धान के सरकारी समर्थन मूल्य में 72 रुपये प्रति क्विटल की वुद्धि कर 1940 किया गया है। दलहन एंव तिलहन में आयात निर्भरता घटाने एंव किसानो दलहनी फसलो के लिये अधिकाधिक आक्रषित एंव प्रोत्साहित करने के उद्धेश्य से अरहर एंव उडद के समर्थन मूल्य में 300 रुपये प्रति क्विटल की वृद्धि की गई है।तिल के समर्थन मूल्य में 452 रुपये प्रति क्विटल की बडौत्तरी की गई है। मूगफली में 275,सूरजमुखी में 130 एंव सोयावीन में 70 रुपये प्रति क्विटल की वुद्धि की है। दूसरी तरह मोटे अनाज ज्वार,बाजरा,मक्का एंच रागी के समर्थन मूल्य को भी बडाया गया है। मोदी सरकार बिगत तीन बषी से लगातार कुषि उत्पादो के समर्थन मूल्य प्रतिबर्ष बडा रही है। पिछले एक दशक में केन्द्र सरकार द्धारा समर्थन मूल्य में वृद्धि ढाई से तीन गुना तक की गई है। दूसरी तरफ समर्थन मूल्य पर खरीद के सरकारी आंकडे भी लगातार रिकार्ड वृद्धि हो रही है। केन्द्र सरकार का मकसद जहॉ कृषि आय को बडाना है, तो देश की जीडीपी में कृषि के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करना भी है। केन्द्रीय खाद्य मंत्रालय के आंकडो अनुसार देश में दालो के आयात पर प्रतिबर्ष 15 से 20 हजार करोड की विदेशी मुद्रा खर्च होती है। मोदी सरकार की प्राथमिकता इस विदेशी मुद्रा को खर्च होने से बचाने एंव देश को दलहन के मामले में आत्मनिर्भर बनाकर देश को निर्यात की स्थिति में खडा करना है। जलवायु परिवर्तन की प्रतिकूलता से मध्यप्रदेश एंव राजस्थान में सोयाबीन फसले पिछले कई बषी से बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। निरन्तर सोयावीन फसल खराब होने से इन राज्यो में किसानो के आर्थिक हालात बिगडने से किसान आत्मघात जैसे दुखद कदम उठाने लगे थे। बावजूद इसके इन राज्यो के किसान अन्य फसलो का विकल्प चुनने के बजाये सोयाबीन फसल का मोह नही छोड पा रहे है।

खरीफ फसलो के सर्मथन मूल्य वृद्धि में केन्द्र सरकार की नीति किसानो को सोयाबीन के बजाये तिल,उडद,अरहर एंव सूरजमुखी की फसलो की तरफ आर्कषित कर अधिकाधिक मूल्य दिलाना है। तिल की फसल कम लागत में अच्छा उत्पादन देने के साथ मिट्टी की उर्वरा शक्ति बडाने वाली है। विदेशो में भारतीय तिल की अधिक मॉग के कारण निर्यात संभावनायें बहुत अधिक है। इसलिये सोयावीन की तुलना में तिल के समर्थन मूल्य को कई गुना अधिक की वृद्धि किसानो को सोयाबीन की वैकल्पिक फसलो चुनने हेतु आर्कषित करती है। खरीफ फसल दौरान दलहनी एंव तिलहनी फसलो की तरफ किसानो को आर्कषित करने एंव इन फसलो का रकवा बडाने केन्द्र सरकार ने राज्यो के साथ मिलकर एक व्यापक योजना तैयार की है। जिसमें लघु एंव सीमांत किसानो को उच्च गुणवत्ता का मुफ्त बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। नीति आयोग के द्धारा राज्यो में 20 लाख मिनीकिट पैकेटो जिसमें अरहर,उडद,मूंग एंव तिलहन शामिल है। वितरण किया गया है। केन्द्र सरकार द्धारा गत बर्ष की तुलना में मिनीकिट वितरण संख्या में दस गुना की वृद्धि की है। लेकिन अंधिकांश राज्य सरकारो कि एजेंसियॉ इस वितरण को पात्र किसानो तक पहुॅचाने में ईमानदारी से पालन नही कर पा रही है।

किसानो की आमदनी बडाने एंव निर्यात की संभावनाऐ तलाशने के उद्धेश्य से केन्द्र सरकार ने देश में 53 बागवानी कलस्टरो का चयन किया है। इस योजना का पहला चरण 12 कलस्टरो में प्रारंभ किया गया है। आगामी पॉच बषी में सभी क्लुस्टरो को कृषि उत्पादन से लेकर अधिक मुनाफे का बाजार उपलब्ध कराने की योजना है। जिसमें सीधा निर्यात भी शामिल है। योजना अर्न्तगत बागवानी एंव फल उत्पादन में दुनिया में भारत की हिस्सेदारी 12 फीसदी से बडाकर 20 फीसदी करने की है। जिसमें परियोजना से जुडे उत्पादन,लांजिस्टिकस,मार्केटिंग,ब्रांडिंग एंव इन्फ्रास्टक्चर का विकास शामिल है। पइले चरण में प्रायोगिक तौर पर सेब के लिये शोपिया,किननैर,आम के लिये लखनउ,कच्छ,महबूबनगर, केला के लिये अंनतपुर,थेनी अंगूर के लिये नासिक, अनार के लिये शोलापुर, हल्दी के लिये वेस्ट जयंतिया हिल्स जिलो में कलस्टर विकाय एजेंसियो ने परियोजना पर काम प्रारंभ कर दिया है। इस तरह आगामी बषी में यह परियोजना देश के 728 चयनित जिलो में प्रारंभ की जा सकेगी। जिसमें प्रत्येक एक जिला– एक अलग उत्पाद के रुप में प्रसिद्धि प्राप्त करेगा। परियोजना का उद्धेश्य फसलो से जुडी नई तकनीकि, छोटे किसानो को अधिक मुनाफा देने वाली महॅगी फसलो के लिये प्रोत्साहित करने के साथ नई शिक्षित युवा पीढी को खेती के वैश्विक बाजार में पारांगत करने से है। वैश्विक महामारी कोबिड के चलते जहॉ देश की सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था भारी दबाव में है, लेकिन इस बिषम परिस्थिति में रिकार्ड कृषि उत्पादन भारतीय अर्थव्यवस्था का एक बहुत बडा सहारा बना है। पिछले दो रवी फसल सीजन में न केवल खाद्यान उत्पादन के रिकार्ड बने है,बुकि खाद्ययान का निर्यात सकरात्मकता से आगे बडा है। रवि फसल 2021 में गेहूॅ उत्पादन में 80 लााख टन की वृद्धि हुई है। मोटे अनाज उत्पादन में 18 लाख टन की बडत आयी है। खरीफ 2020 में धान का उत्पादन 10.37 करोड टन हुआ था। जो देश के सर्वाधिक स्तर पर था। आगामी खरीफ फसल 2021 में केन्द्र सरकार ने धान उत्पादन का लक्ष्य 10.43 लााख टन रखा है। धान उत्पादन के प्रति देश में किसानो के उत्साह को देखते हुये लगता है कि देश का कास्तकार आगामी सीजन में इस लक्ष्य से बहुत आगे निकल चुकेगा। कारोना अबधि में भारत से पोषक तत्व युक्त जैविक कृषि उत्पादो की मॉग विदेशो में तेजी से बडी है। भारतीय किसानो को इसी अवसर का लाभ लेना है। अन्य विकासशील देशो की तुलना में भारत में कीटनाशको के कम उपयोग के कारण भारत के ताजा फल, सब्जियॉ एंव अनाज की मॉग विदेशो में बडी है। चालू अबधि में भारत से चावल का 1.77 करोड टन एंव गेहूॅ का 20 लाख टन निर्यात हो चुका है। वासमती चावल में निर्यात दर गत बर्ष की तुलना में 04 फीसदी अधिक है।

दुनिया का होगा कल्याण, जब पौधों की तरह सूरज से ऊर्जा बनाएंगे हम

मुकुल व्यास

मनुष्यों और पौधों में बहुत अंतर है। हम चल फिर सकते हैं, बातचीत कर सकते हैं, देख सकते है, सुन सकते हैं और स्पर्श कर सकते हैं। लेकिन पौधों में एक ऐसी खूबी है जो हमारे पास नहीं है। वे सीधे सूरज से ऊर्जा पैदा कर सकते हैं। इस प्रॉसेस को प्रकाश-संश्लेषण या फोटोसिंथेसिस कहते हैं। दुनिया के वैज्ञानिक पिछले काफी समय से सौर ऊर्जा पाने के लिए इसी प्रॉसेस को दोहराने की कोशिश कर रहे हैं। इस बारे में हो रही रिसर्च के परिणाम खासे उत्साहवर्धक हैं। ऐसा लगता है कि मनुष्य जल्द ही प्रकाश-संश्लेषण की प्रॉसेस को कॉपी करके सूरज से स्वच्छ ईंधन प्राप्त करने में सफल हो जाएगा। इस तरह के ईंधन का भंडारण भी किया जा सकेगा। अगर ऐसा हुआ तो ग्रीन एनर्जी का समूचा नया क्षेत्र खुल जाएगा। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि पृथ्वी पर एक घंटे में सूरज की रोशनी के रूप में इतनी ऊर्जा पहुंचती है कि उससे समस्त मानव सभ्यता की एक साल तक की ऊर्जा जरूरतें पूरी की जा सकती हैं। अमेरिका में परजू यूनिवर्सिटी की जैव-भौतिकविद यूलिया पुष्कर सौर ऊर्जा पाने के लिए पौधों के तरीके को कॉपी करने की कोशिश कर रही हैं। इस समय पवन ऊर्जा और सूरज ऊर्जा स्वच्छ ऊर्जा के मुख्य स्रोत हैं। पवन ऊर्जा में टर्बाइनों और सौर ऊर्जा में फोटोवोल्टैक सेलों की जरूरत पड़ती है। इन दो ऊर्जा स्रोतों के साथ कृत्रिम प्रकाश-संश्लेषण के रूप में तीसरे विकल्प को जोड़ने से न्यू एनर्जी का समूचा सीन ही बदल जाएगा। भारी भरकम बैटरियों के बिना ऊर्जा को स्टोर करने की क्षमता से समाज को ज्यादा प्रभावी ढंग से स्वच्छ ऊर्जा की सप्लाई की जा सकेगी। पर्यावरणीय प्रभावों के कारण टर्बाइनों और फोटोवोल्टैक सेलों के उपयोग की कुछ सीमाएं हैं। पुष्कर को उम्मीद है कि कृत्रिम प्रकाश संश्लेषण के उपयोग से ये खामियां दूर हो जाएंगी। प्रकाश-संश्लेषण बड़ी जटिल प्रक्रिया है, जिसके जरिए पौधे सूरज की रोशनी और पानी के मॉलिक्यूल को ग्लूकोज के रूप में ऊर्जा में बदल देते हैं। यह सब करने के लिए उन्हें क्लोरोफिल, प्रोटीन, एंजाइम और धातुओं की जरूरत पड़ती है। इस वक्त फोटोवोल्टैक टेकनॅलजी प्रकाश-संश्लेषण प्रक्रिया के सबसे नजदीक है। इसमें एक सौर सेल सूरज की ऊर्जा को बिजली में बदलता है। लेकिन यह टेकनॅलजी बहुत कारगर नहीं है। यह सौर ऊर्जा का सिर्फ 20 प्रतिशत हिस्सा ही ग्रहण कर पाती है। दूसरी तरफ प्रकाश-संश्लेषण की प्रक्रिया ज्यादा कारगर है। यह 60 प्रतिशत सौर ऊर्जा को रासायनिक ऊर्जा के रूप में जमा कर सकती है। प्रकाश ऊर्जा को ग्रहण करने की सेमीकंडक्टर की क्षमता और ऊर्जा उत्पादन की सौर सेल की क्षमता सीमित है। इसी वजह से एक साधारण फोटोवोल्टैक सेल एक सीमा से ज्यादा काम नहीं कर सकता।वैज्ञानिक कृत्रिम प्रकाश-संश्लेषण के जरिए इन सीमाओं को खत्म कर सकते हैं। पुष्कर ने कहा कि कृत्रिम प्रकाश-संश्लेषण के साथ कोई बुनियादी भौतिक सीमा नहीं है। हम एक ऐसे सिस्टम की कल्पना कर सकते हैं जो 60 प्रतिशत तक कारगर हो।

सोशल मीडिया इसे कहते हैं

मुरली

कभी कभी विचारों की अधिकता भी तंग करती है इसीलिए मेडिटेशन में विचारों से मुक्त होंने की बात की जाती है । कहते हैं आप विचारों के भी दृष्टा हो जाईए , विचारों को अपने भीतर से गुजरते हुये देखते रहिए , उसे आने और जाने दीजिये उससे प्रभावित न हों । अब लिखते रहना निरंतर होता जा रहा है । ढेर सारी वैचारिक बातें हो जाती हैं विभिनन ग्रुप में । आज मैं बातों को दो हिस्से में बाँट देता हूँ । एक जो ह्रदय से है और दूसरी जो मस्तिष्क से । बहुत कठिन काम कर रहा हूँ । समस्या बहुत बड़ी है , दिमाग की बातें नीरस कर देती हैं और दिल की बात दिमाग के गले आसानी से नहीं उतरती । अब चाह कर भी मेरे पास न लिखने का विकल्प नहीं बचा है । मैं खुद को न लिखने के लिए नहीं समझा सकता । बहुत कोशिश की अनेक तर्क गढ़े लेकिन वे सफल नहीं हुये । मेरा दो तर्क काफी बड़ा था , खुद को नियमित लिखने या ब्लागिंग से रोकने के लिए । पहला यह कि कितने लोग पढ़ते होंगे छोड़ो हटाओ , दूसरा क्यों अपने जानने वालों को रोज कुछ न कुछ भेजना और उन्हें पढ़ने के लिए तंग करना । वैसे भी यह पोस्ट बस एक दो दिन रहती है फिर नई पोस्ट आ जाती हैं , सो इस पोस्ट का कोई बहुत बड़ा औचित्य नहीं है ।

सवाल उठते हैं तो जवाब भी मिलते हैं । यह सब मन में चल रहा था कि जवाब भी मिला । मेरी पीड़ा स्वाभाविक रूप से चौबीस घंटे लिखते रहने की इच्छा होना और फिर उस प्रसेस में डूबे रहना है । अर्थ यह कि मुझे लिखने में ही सुकून मिलता है । क्या यह लिखने वाले के लिए एक चैलेंज नहीं है कि वह निरंतर लिखता रहे और पाठक उसे पढ़ते रहें बिना बोर हुये इस बात में कोई संदेह नहीं कि यह एक बहुत बड़ा चैलेंज है । मुश्किल है अपनी प्रकृति को बदलना , सो लिख रहा हूँ । पिछली पोस्ट लोगों को बहुत अच्छी लगी । अब एक दो बातें और मैं रात में एक यू ट्यूब चैनल पर पालिटिकल एनालिसिस सुन रहा था । एंकर ने आमंत्रित अतिथियों का परिचय करना शुरू किया और बोला , आप हैं श्री - नागर जी , आपके नेतृत्व में ॅऊ लाईव नंबर वन लाईव चैनल बना । ॅऊ पर लगातार लिख रहा हूँ, यह नंबर वन है, यह मुझे न तो एहसास था न पता था । सोशल मीडिया पर पहली बार उतारा था वह भी इस ॅऊ प्लेटफार्म पर, यह एहसास तो नहीं था कि हो क्या रहा है । मेरा मानना जब किसी बात को कहने में दिल साफ है तो कोई कन्फ्यूजन कोई

गड़बड़ी हो ही नहीं सकती और शुरू से मेरा अपने पाठकों के साथ ऐसा ही रिश्ता रहा है जैसे हम लोग एक दूसरे से बेलाग हो कर दिल की बात कर रहे हों , बिना किसी बनावट बिना किसी झिझक और कोई दूसरा माध्यम बीच में लाये । यहाँ तक कि मुझे लगता है मैं अपने पाठकों के साथ बिलकुल एक हो जाता हूँ और उनकी ही तरफ खड़ा हो कर खुद का पाठक बन जाता हूँ जो अच्छा नहीं लगा नहीं लगा मैं भी मान लेता हूँ । खैर दूसरी घटना हुई आफिस में , मेरे एक मित्र है अरुण कुमार जी , वास्तव में कुछ समय पहले तक मैं उन्हें रिपोर्ट करता था वे मेरे बास थे । अचानक ज़ोर से हँसते हुये गैलरी में मिले , बड़े ही गर्मजोशी से , कोविड प्रोटोकॉल न होता तो शायद जोरदार शेक हैंड होता , बोले यार मुरली तुम लिखते हो यह तो मैं जनता था , लेकिन इतना अच्छा लिखते हो यह पता नहीं था । वे तो कह के गुजर गए , लेकिन मेरे लिए तो दिल में हलचल छोड़ गए । जैसे कह गए हों लिखते रहो । क्या कहा जाये , यह सब जीवन के बड़े ही नैसर्गिक घटनाक्रम हैं , जो समझो तो समझो , न समझो तो पानी । यह जो जज़्बात है ये बस एहसास की चीज है , महसूस करिए तो बहुत कुछ वर्ना क्या है , कुछ नहीं ।आगे बढ़ते हैं , यह जो पेंटिंग आप देख रहे हैं यह इलाहाबाद के यमुना दी के किनारे बने किले की है । इस किले का इतिहास आसानी से नेट पर मिल जाएगा महत्वपूर्ण वह लिखना है जो नेट पर नहीं मिलेगा । इस किले में हमलोग पिताजी के साथ बचपन से घूमने जाते थे , संगम सनन के बाद यहाँ घूमना एक सुखद अनुभव होता था । इस किले में एक कुंवां (कूप) है जिस पर जाल पड़ा हुआ है और यह मान्यता है कि इस कूप के नीचे सरस्वती की धारा है , अर्थात यह कूप सरस्वती नदी का प्रतिनिधित्व करता है । संगम तीन नदियों के मिलन से बनाता है गंगा और यमुना तो दिखाई देती है लेकिन सरस्वती नदी विलुप्त है । यह कूप उस सरस्वती नदी के बारे में कहता है । इसी किले में अक्षय वट है जो पिछले कुंभ में मुख्यमंत्री योगी जी द्वारा पूजा किए जाने के बाद बहुत अधिक चर्चा में आया था ।

खैर इस किले की पेंटिंग जो आप देख रहे है वह हमारे उघ्ण् 81 के मित्र मुहम्मद जुनैद ने बनाई है जो वाकई लाजवाब है । इस पेंटिंग पर हमारे मित्र विजयेन्द्र शुक्ल ने एक कविता लिखी जो मैं शेयर करना चाहता हूँ , लाजवाब कविता है । बात कविता लिखने की नहीं है , किसी व्यक्ति के भीतर छुपी हुई कविता की है जो स्वतः प्रकट होती है । विजयेन्द्र हम लोगों की नालेज में कविता लिखते है ऐसा नहीं है , लेकिन इस पेंटिंग पर कविता प्रस्फुटित हुई यह बड़ी बात है । मैंने कहा था कि लेखन को दो भाग में रखूँगा यहाँ बस भावनात्मक पहलू रख रहा हूँ ।